विहार विधान-सभा वादवृत्त ।

वृहस्पतिवार, तिथि १ मई, १९५८ ।

विषय सूची ।

		पृष्ठ ।
प्रश्नों के मौखिक उत्तर—		
अतारांकित प्रश्न संख्या ..	५१, ९७..	१—५
तारांकित प्रश्न संख्या ..	७५, ११०३, ११०४, ११०५, ११०६	५—१९
प्रश्नों के लिखित उत्तर —		
अनागत प्रश्न संख्या ..	५१, ८१, २४२, ५३४, ५५८, ५६०, ५६८, ५६९, ७६०—७६३, ७६५—७६७, ७६९—७७३, ७७६—७८३, ७८५, ७८६, ७८८—७९३, ७९८—८०६, ८११—८१५, १०७९, १०८०, १०८७, १०९१, १०९६, ११०२, ११०७, ११०९, १११९—१११५, १११७, ११२१-११२२, ११२६, ११३०, ११३१।	२०—५८
दैनिक निबन्ध		५९

नोट —जिन सदस्यों एवं मंत्रियों ने अपना भाषण संशोधित नहीं किया है उनके नाम के आगे ऐसा (*) चिन्ह लगा दिया गया है ।

(४) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर हां हैं, तो क्या सरकार ईख कास्तकारों को मिल से क्षति-पूर्त्ति कराने की सोचती है, तथा आगे के लिये पूर्जी के बंटवारे की घांधली को रोकना चाहती है ?

डा० श्रीकृष्ण सिंह—(१) उत्तर नकारात्मक है। मिल के सुरक्षित क्षेत्र में लगभग ७० प्रतिशत ईख की खेती होती है तथा मुक्त क्षेत्र में लगभग ३० प्रतिशत होती है।

(२) उत्तर नकारात्मक है।

(३) यह सही है कि गत साल १९५७-५८ में ईख में बीमारी लगने तथा सूखा के कारण ईख की उपज कम हुई है लेकिन यह सही नहीं है कि किसानों को उचित तौर पर पुर्जी नही दी गई। सुरक्षित क्षेत्र के किसानों को उनकी उपज के अनुपात में ही पुर्जी दी गई है।

(४) प्रश्न नही उठता।

MINIMUM PRICE OF SUGARCANE.

1895. **Shri BIPIN BIHARI SINHA** : Will the Chief Minister be pleased to state—

(1) whether it is a fact that in spite of the resolution passed unanimously by the Bihar Legislative Assembly on 3rd December, 1957 to move the Government of India to revise the minimum price of sugarcane to Rs. 1-12/-, the Bihar Government forwarding the resolution to Government of India did not recommend for any increase;

(2) if the answer to the above clause be in the affirmative, will the Government state the reasons of not pleeding for the recommendation of the House and lay on the table of the House the forwarding letter of the Bihar Government referred to above ?

डा० श्रीकृष्ण सिंह—(१) उत्तर नकारात्मक है।

(२) प्रश्न नहीं उठता। बिहार सरकार द्वारा भारत सरकार को भेजा गया पत्र की एक प्रतिलिपि मेज पर प्रस्तुत की जाती है।

आदापुर में राष्ट्रीय प्रखंड सेवा प्रमंडल।

१४०२। श्री अजनन्दन शर्मा—क्या मुख्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि चम्पारण जिले के आदापुर थाने में १९५८-५९ में आदापुर नं० १ और आदापुर नं० २ में राष्ट्रीय विस्तार सेवा प्रखंड खुलनेवाला था।

(२) क्या यह बात सही है कि उक्त जगहों में राष्ट्रीय प्रखंड सेवा प्रमंडल अभी तक नहीं खुला है;

(३) यदि उपरोक्त प्रश्नों के उत्तर हां में हैं, तो आदापुर नं० १ और आदापुर नं० २ में राष्ट्रीय प्रखंड सेवा प्रमंडल कब तक खुलेगा ?

डा० श्रीकृष्ण सिंह—(१) उत्तर स्वीकारात्मक है ।

(२) उत्तर स्वीकारात्मक है ।

(३) भारत सरकार के आदेशानुसार कौन प्रखंड कब खुलेंगे इसकी सूची पुनः तैयार की जा रही है; अतः तत्काल यह कहना कठिन है कि आदापुर थाने में दोनों प्रखंड कब खुलेंगे ।

महनार में राष्ट्रीय विस्तार सेवा प्रखंड ।

१४०४ । श्रीमती बनारसी देवी—क्या मुख्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि मुजफ्फरपुर जिला के महनार थाने में इस वर्ष राष्ट्रीय विस्तार सेवा खंड खोलने का विचार है, यदि नहीं, तो कब तक ?

डा० श्रीकृष्ण सिंह—इस वर्ष महनार थाने में कोई राष्ट्रीय विस्तार सेवा खंड को खोलने का विचार नहीं है । भारत सरकार के आदेशानुसार कौन प्रखंड कब खुलेगा इसकी सूची पुनः तैयार की जा रही है; अतः तत्काल यह कहना कठिन है कि महनार थाने में कब प्रखंड खुलेगा ।

पटना ;
सोमवार, तिथि १२ मई १९५८ ।

इनायतुर रहमान,
सचिव, बिहार विधान-सभा ।